

Chapter - 3

Electrical Supply System & Motors

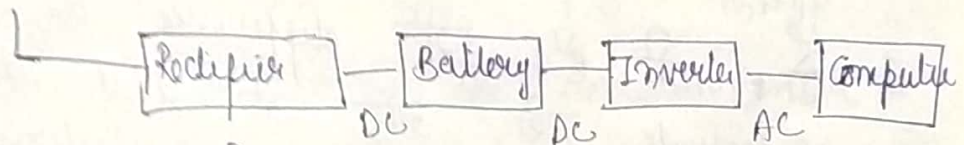
Types of Supply:-

- 1) DC Supply :- यह एक प्रकार का supply है जिसकी frequency 0 होती है। इसकी value constant होती है। यह supply direct होने के कारण dangerous होता है। इसे battery से उपलब्ध किया जा सकता है।
- 2) AC Supply :- यह एक प्रकार का supply है जिसमें frequency 50 Hz या 60 Hz होती है। इसकी value variable होती है। AC DC से कम dangerous होता है। ये AC Generator से प्राप्त किया जा सकता है।
- 3) SMPS :- (Switched Mode Power Supply) :- यह एक ऐसा supply है जिसमें हम AC और DC दोनों use कर सकते हैं। वैसे हमारे यहाँ Single Phase AC supply आती है पर यदि device की size छोटी हो तो frequency अधिक होनी चाहिए। पर India में 50 Hz supply की frequency 50 Hz है इसलिए हम उस AC supply को Rectifier से DC में convert करते हैं।

- 4) Chopper :- Chopper का काम है fixed dc से variable dc में convert करना है।
- 5) Cyclo Converter :- इसका काम है fixed AC को variable AC में convert करना है।
- 6) PPS :- Programmable power supply इस supply में RS 232 (Recommended Standard) directly Remote Control द्वारा supply चला जा सकती है।
- 7) UPS :- Uninterrupted Power Supply

1) Online UPS :-

AC



Online UPS में Batteries इसके Inverter से connected रहती है। जब भी Power का loss होता है, तो Rectifier just drops out और Battery Power के बगैरे को स्थिर और अपरिवर्तित रहती है।

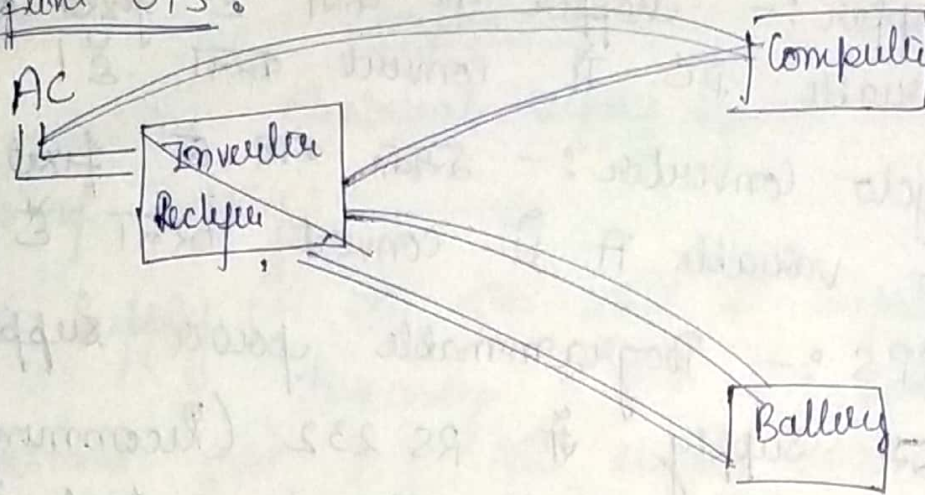
2) Offline UPS :-

Offline UPS की आवश्यकता तब होती है जब Main Power supply fail हो जाता है। जब Main Power supply में कोई voltage वृद्धि या ठहर-चढ़ाव होता है, तो offline UPS से electronic devices को supply दी जाती है।

Date:- 20/3/20

~~_____~~ Messi Bhaskar

Offline UPS :-



Losses in Electrical Power distribution system

Power जो General होता है, Power Station पर वो large and complex networks में Pass होता है, जहाँ कि Transformers, overhead line etc तब उसे तक पहुँचती है। इसके बीच कुछ प्रतिशत Energy loss हो जाती है। इसी difference को जो units को Generate करते और जो unit distribute करते उसे Transmission and distribution loss कहते हैं।

$$T \& D \text{ loss} = \frac{\text{Energy Input of feed (KWH)} - \text{Billed energy to consumer (KWH)}}{\text{Energy Input of feeder (KWH)}}$$

Transmission losses = 17%

Distribution losses = 50%

There are two types of T & D losses :-

- ① Technical losses
- ② non-technical losses

~~Main reasons~~

Main reasons of Technical losses:-

- ① lengthy distribution line:- मानो मैं lines होने के वजह से losses ज्यादा होता है, क्योंकि वहां supply देने के लिए Network feeding का use नहीं किया जाता बल्कि Radial feeding का use किया जाता है।
- ② conductors का सही size ना होना:- अगर medium conductors इस्तेमाल नहीं किये जा रहे हैं तो पैसा बचाने के लिए heavy size conductor use किये जाते हैं जिससे का losses बढ़ जाती है।
- ③ Distribution Transformer का load center से दूर होना:- अगर distribution transformer को load center से दूर किया जाये तो Radial feeding के द्वारा supply दी जाती है। जिससे losses बढ़ जाता है।

④ load factor :-

$$\text{load factor} = \frac{\text{Avg load in a specified time}}{\text{Peak load during that time}}$$

Power consumption of customers varies through out the day. Residential consumers generally draw highest power demand in the evening hours. Commercial consumer generally draw highest power in the early afternoon. that's why load factor varies from 0 to 1

Date :- 23/3/20

Muskan

Understanding Electricity Bills:-

1) Electrical Tariffs:- Load 3 प्रकार की classified

होते हैं:- (a) Domestic

(b) Commercial

(c) Industrial

इन loads के according tariffs बनाने जाते हैं।
जैसे Industrial load से ज्यादा money
की demand करती है और Domestic load से
सबसे कम demand करती है।

(2) Time which load is demanded :-
जिस time पर max load की मांग हो रही
है अगर वह extra generator को use कर रहा
है, Power supply के लिए तो उस requirement
को देखते हुए Power supplying company अधिक
पैसे लेता है।

(3) Power factor of load:-
अगर कम Power factor है तो line losses ज्यादा
होता है क्योंकि Reactive Power demand ज्यादा
होता है इसलिए इस दौरान पैसे की मांग
ज्यादा होती है।

(4) Amount of energy use :- हम जितना भी
बिजली use करते हैं उसके according charges
Pay करने पड़ते हैं इसी की energy
Charges कहते हैं।

$$C = Ax + By + D$$

where

- C = Total charges
- A = cost max demand use
- D = fixed charges
- B = cost per Killo watt hour of energy consumer
- y = Kwh used by
- x = max demand
- Ax = Semi fixed charges
- By = Running charges

Miss K Bhaskar
Date :- 25/3/20